Nya. Tatyasaheb Athyale Arts, Ved. S. R. Sapre Commerce Vid. Dadasaheb Pitre Science College, Devrukh

(Autonomous College)

Syllabus And Pattern of Question Paper In the Subject of Hindi At the S.Y. B.A Ancillary Examination With effect from 2020-21

Board of Study –

1) Sou. Snehalata Pujari :- Chairman
   (Head of Concerned)

2) Dr. Anilkumar Singh :- Member
   (One expert to be nominated by the Vice Chancellor)

3) Dr. Vijaykumar Rode :- Member
   (Subject experts from outside the parents University to be nominated by the coverning council)

4) Dr. Balwant Jeurkar :- Member
   (Subject expert from outside the parents University to be nominated by covering Council)

5) Dr. Rahul Marathe :- Member
   (Experts of outside the college)

6) Dr. Sou. Dhanshri Lele :- Member
   (One Representive from industry)

7) Shri Balwant Nalawade :- Member
   (One postgradate meritorious alumnus to benominated)

8) Dr. Varsha Phatak :- Member
   (Other members of staff of the same faculty)

SEMESTER - I

NAME OF THE PROGRAMME	**:-**	**B.A**
NAME OF THE COURSE	**:-**	**S.Y.B.A Ancillary**
COURSE CODE	**: -**	**UAHIN301**
TOTAL LECTURES	**:-**	**45**
CREDITS	**: -**	**03**

द्वितीय वर्ष कला हिंदी पेपर नंबर ।

Aims and Objectives

हिंदी पेपर नंबर 1 - के प्रथम पाठ्यपुस्तक " मध्यकालीन और आधुनिक काव्य " के अध्ययन के लिए रखने का उद्‍देश्य यह है की हिंदी भाषा के विकास में मध्यकालीन कवियों तथा उनके समय की ब्रज, अवधी, मैथिली आदि भाषाओं और बोलियों का बहुत बडा योगदान है । साथ ही मध्यकालीन काव्य के परिप्रेक्ष्य मे बच्चे तत्कालिन सामाजिक, धार्मिक, नैतिक, राजनीतिक परिस्थिती से अवगत हो ।

2. द्वितीय पुस्तक - 'स्वयंप्रभा' नामक खंडकाव्य है - खंडकाव्य साहित्य की महत्वपूर्ण विद्याओ में से एक है । इस विद्या के विकासक्रम के साथ बच्चे इस विधा के शिल्पविधान भी परिचित हो जायेंगे ।

3. पहली पाठ्यपुस्तक मे मध्यकाालीन काव्य के साथ आधुनिक काव्य के अध्ययन का उद्‍देश्य यह है कि बच्चे हिंदी काव्य के विकास स्वरुप - शिल्प - सौदर्य आदि बातो के साथ तत्कालिन बदलते आयामों से अवगत हो ।

आठल्ये-सप्रे-पित्रे महाविद्यालय, देवरुख जि.रत्नागिरी
हिंदी विभाग
द्वितीय वर्ष कला - हिंदी पेपर नंबर 01 (ऐच्छिक) सेमिस्टर - III

निर्धारित पाठ्यपुस्तके

1. **मध्यकालीन और आधुनिक काव्य** - संपादन हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, राजपाल प्रकाशन।

निर्धारित कवि और काव्य -

क- कबीर **गुरुदेव की अंग -**

1. पीछै लागा जाई -------
2. सतगुर साचा सुरिवा -------

सुमिरण कौ अंग -

1. जिहि धरि प्रीति -------
2. लूटि सकै तो -------

ख- **सुरदास के पद (भ्रमरगीत - सार, संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल)**

1. आलाप कहा जोग -------
2. ऑखियाँ हरि -दरसन -------
3. निगुर्ण कौन देस को -------
4. ऊधो ! मन नाही दस -------

ग - **तुलसीदास के पद (विनय - प्रतिका, तुलसीदास गीताप्रेस)**

1. दीन को दयालु -------
2. तू दयालु, दीन हौ -------

घ - **मीराबाई के पद**

1. बसौ मेरे नैनन -------
2. मेरे तो गिरीधर गोपाल -------

ङ - **रहिम के दोहे (रहिम ग्रंन्थावली, सन्या. विद्यानिवास मिश्र)**

1. एकै साधै सब -------
2. खैर, खून खाँसी -------
3. रहिमन अँसुआ नैन -------
3. रहिमन धागा प्रेम -------

च - **बिहारी के दोहे (बिहारी रत्नाकर - श्री जगन्नाथ रत्नाकर)**

1. मेरी भव - बाधा -------
2. कहत, नटत, रिझत -------
3. या अनुरागी चित्त -------
4. मोहन - मूरित स्याम -------

आधुनिक काव्य

1. मनुष्यता	-	मैथिलीशरण गुप्त
2. वह तोडती पथ्थर	-	निराला
3. जो बीत गई सो बात गई	-	हरिवंशराय बच्चन
4. अपना अहं नही बेचूँगा	-	रामावतार त्यागी
5. आज सडको पर लिखे हे (गजल)	-	दुष्यंत कुमार
6. माँ पर नही लिख सकता कविता	-	चंद्रकांत देवताले
7. एक और युद्ध	-	ओम प्रकाश वाल्मीकी
8. इतनी दुर मत ब्याहना बाबा !	-	निर्मला पुतुल

2 पाठ्यपुस्तक -2-

स्वयंप्रभा खंडकाव्य - लेखक - रमाकांत शमी 'उद्‌भ्रांत'
प्रकाशक - अमन प्रकाशन,
रामबाग, कानपुर

(बर्हिगत मूल्यांकन दो पाठ्यपुस्तको के ऊपर 35+35 = 70 अंको का अंर्तगत विकल्पो सहित विभाजन होगा)

* अंर्तगत मुल्यमापन मे कक्षा - पांचवी, छठी तथा सांतवी की हिंदी पुस्तको के अंर्तगत स्थित हिंदी के लेखक तथा कवियों की जानकारी तथा प्राचीन कविताओ के अर्थ लिखना इत्यादि का संकलन कर एक पुस्तिका विद्यालयीन बच्चो के लिए तैयार की जायेगी। इस पुस्तिका का संपादन तथा संकलन कार्य द्वितीय वर्ष कला के हिंदी के छात्र करेंगे। इसके लिए ३० अंको का अंतर्गत मूल्यांकन होगा।

* तृतीय सत्र विद्यालयीन स्तर पर अध्यनीय कवियों पर होगा और चतुर्थ सत्र मे लेखको पर होगा।

हिंदी पेपर नंबर - II सेमिस्टर - IV

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित व्यंग - निंबध

निर्धारित पाठ्यपुस्तके

* व्यंग - वीथी - संपादन - हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, राधाकृष्ण प्रकाशन- जी - १७ जगतपुरी, दिल्ली

1.	वसीहत	-	भगवती चरण वर्ग
2.	सुदामा के चावल	-	हरिशंकर परसाई
3.	एक लाख	-	शंकर पुणतांबेकर
4.	बंसी वाले का पूजारी	-	शरद जोशी
5.	प्रभुजी तुम डिलर हम पानी	-	सूर्यबाला
6.	कन्या रत्न का दर्द	-	प्रेम जनमेजय
7.	वाशिंग मशीन मे बाल सरस्वती	-	बी. एल. आच्छा
8.	ऐनक के बहाने	-	ब्रजेश कानुन गो

पाठ्यपुस्तक दो -

* शकुंतिका (उपन्यास) - लेखक - भगवानदास मोरवाल, राजकमल प्रकाशन, 1- बी. नेताजी सुभाष मार्ग - नई दिल्ली.

प्रश्नपत्र I की सेमिस्टर 3 तथा 4 की रुपरेखा - अंक 70

प्रश्न 1 - संदर्भ - सहित - स्पष्टीकरण
(दोन पाठ्यपुस्तको मै से अंर्तगत विकल्प सहित) अंक 16

प्रश्न 2 - दीर्घोत्तरी (विस्तार के साथ प्रश्न)
(दोन पाठ्यपुस्तको मे से अंर्तगत विकल्प सहित) अंक 28

प्रश्न 3 टिप्पणियाँ
(दोन पाठ्यपुस्तको मे से अंर्तगत विकल्प सहित) अंक 12

प्रश्न 4 दो पाठ्यपुस्तको मे एक-एक प्रश्न किसी एक का उत्तर अपेक्षित) अंक 14

कुल अंक 70

* (बहिर्गत मुल्यांकन के 70 तथा अंर्तगत मुल्यांकन के 30 कुल 100 अंको का मुल्यांकन प्रति सेमिस्टर के लिए किया जायेगा)

-----------------------------X-----------------------------

द्वितीय वर्ष कला हिंदी पेपर नंबर II

Aims and objectives

1. द्वितीय वर्ष कला का हिंदी पेपर नंबर २ के सेमिस्टर ३ तथा सेमिस्टर ४ के अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम का उद्देश्य यह है कि बच्चो के व्यावहारिक हिंदी का ज्ञान हो I हिंदी जैसी राजभाषा का अध्ययन करने वाला छात्र आगे जाकर किसी न किसी सरकारी दफ्तर मे काम करता है I उस समय उसे प्रयोजनमूलक अर्थात व्यावहरिक हिंदी के अध्ययन की जरुरत होती है I

2. कई बच्चे मीडीया, पत्रकारिता, संवाद-दाता आदि के रुप मे कार्यरत रहते है I उसी समय अगर इसप्रकार के पाठ्यक्रम की पार्श्वभूमि बच्चो को पता हो तो निश्चित ही इस बात का उचित लाभ बच्चो को हो सकता है I

3. फिर आरंभिक पत्रलेखन, औपचारिक, अनौपचारिक पत्रलेखन व्यावहारिक पत्र लेखन आदि का अध्ययन बच्चो के लिए भविष्य मे उपयोगी सिद्ध हो सकता है I

द्वितीय वर्ष कला- पेपर नंबर 02 सेमिस्टर 03

प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई 1 - प्रयोजनमूलक हिंदी :

* प्रयोजन मूलक हिंदी - अर्थ, परिभाषा, तथा विशेषताँयए
* हिंदी के दो रूप - सामान्य हिंदी तथा साहित्यिक हिंदी

इकाई 2 - अनुवाद :

* अनुवाद : अर्थ परिभाषा एवं उपयोगिता
* अनुवाद के भेद

1. शब्दानुवाद
2. भावाअनुवाद
3. अर्थानुवाद
4. सारानुवाद

इकाई 3 - पत्रकारिता

* पत्रकारिता : परिभाषा स्वरुप और महत्व I
* हिंदी पत्रकारिता : विकासक्रम
* पत्रकारिता के विविध रुप

इकाई 4 - कार्यकालीन एवं व्यावसायिक पत्रलेखन

क - कार्यालयीन पत्र - कार्यकालीन आदेश, कार्यालय ज्ञापन परिपत्र

ख - व्यावसायिक पत्र - आवेदन (रिक्त पदतथा अवकाश) पुछताछ तथा शिकायती पत्र

इकाई 5 - व्यावहारिक अनुवाद - पारिभाषिक शब्दावली

क - अंग्रेजी / मराठी से हिंदी मे अनुवाद

ख - निर्धारित पारिभाषिक शब्दो के ५० हिंदी प्रतिशब्द)

सेमिस्टर 03 - प्रश्नपत्र की रुपरेखा - 70 अंक (बर्हिगत मूल्यमापन)

*	इकाई I,II,III में से कुल 06 प्रश्न पुछे जायेगे। जिसमे से 03 प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न 15 अंको का होगा।	-	अंक 45
*	इकाई 04 मे से प्रश्न क्रमांक 07 के लिए क खंड मे से दो पत्रो का प्रारुप पुछा जायेगा इस मे एक पत्र का प्रारुप अपेक्षित है।	-	अंक 08
*	इकाई 04 के खंड ख मे से दो पत्रो का प्रारुप पुछा जायेगा। १ का प्रारुप अपेक्षित है।	-	अंक 07
*	इकाई 05 के खंड ख के आधारपर 10 पारिभाषिक शब्दो के अर्थ पुछे जायेगे।	-	अंक 10

			कुल अंक 70

* अंर्तगत मुल्यमापन

(अंर्तगत मुल्यमापन के 30 अंको के लिए किसी मराठी या अंग्रेजी कहानी या निबंध का हिंदी मे अनुवाद के कार्यपर प्रकल्प अहवाल तैयार करके लिया जायेगा)

(बहिर्गत मुल्यमापन 70 अंक तथा अंतर्गत मूल्यमापन 30 अंक - कुल अंक 100 का मूल्यांकन होगा)

द्वितीय वर्ष कला - हिंदी पेपर नंबर 02 सेमिस्टर - IV

.

इकाई 1 - जनसंचार

* अर्थ, परिभाषा एवं स्वरुप
* जनसंचार के तत्व

इकाई 2 - जनसंचार माध्यम

* परंपरागत संचार माध्यमो का सामान्य परिचय
* आधुनिक जनसंचार माध्यमो का सामान्य परिचय

इकाई 3 - जनसंचार माध्यमो की विकास एवं उपयोगिता

1. समाचार 2. रेडिओ 3. सिनेमा

4. टेलिविजन 5. कंम्प्यूटर 6. मोबाईल

इकाई 4 - जनसंचार माध्यमोपयोगी लेखन सामान्य परिचय

1. समाचार लेखन 2. साक्षात्कार

3. फीचर लेखन 4. संपादकीय

इकाई 5 - माध्यमोपयोगी लेखन

1. समाचार लेखन 2. फीचर लेखन 3. संवाद लेखन

4. फिल्म समिक्षा (पटकथा लेखन) 5. विज्ञापन लेखन

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न

इकाई 1से 4 तक समाविष्ट पाठ्यक्रम के अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम मे से 70 अंको का प्रश्नपत्र बहिर्गत मूल्यांकन के लिए निकाला जायेगा।

इकाई क्रमांक 5 के पाठ्यक्रम के अंर्तगत समाविष्ट विषयो के लिए तज्ञो को बुलाकर 3 या 4 दिनो की कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इसमे थेअरी और प्रात्यक्षिक दोनो मे छात्र सहभागी होगे और उसीपर आधारित प्रकल्प बनायेगे जिसके सहारे 30 अंको का अंतर्गत मुल्यमापन होगा।

हिंदी पेपर नंबर 03 की सेमिस्टर 04 के प्रश्नपत्र की रुपरेखा अंक 70

* प्रश्न 01 से 06 तक के प्रश्न इकाई I, II तथा III के अंर्तगत समाविष्ट पाठ्यक्रम के अंर्तगत पुछे जायेंगे जिसमे से 3 प्रश्नो के उत्तर अपेक्षित होगे। हर प्रश्न के लिए 15 अंक होगे। अंक 45

* प्रश्न क्रमांक 7 मे इकाई 4 मे से 5 टिप्पणियाँ दी जायेगी 3 का उत्तर अपेक्षित - हर टिप्पणी 05 अंको की होगी। अंक 15

* प्रश्न क्रमांक 8 के अंतर्गत 50 वस्तुनिष्ट प्रश्नो मे से 10 प्रश्न 10 अंको के लिए पुछे जायेंगे। अंक 10

कुल अंक 70

--X--

This document was created with the Win2PDF "print to PDF" printer available at
http://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

http://www.win2pdf.com/purchase/